UNIVERSITY NEWS 23 DECEMBER 2025

AMAR UJALA

लविवि के छात्रों को रोजगार के अवसर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से पीतांबरा शिक्षा समिति (पीएसएस) में प्रोजेक्ट मैनेजर व कोऑर्डिनेटर पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं। ये भर्तियां लखनऊ व सीतापुर जिले के लिए 20 पदों पर की जाएंगी। मैनेजर पद पर भर्ती होने वाले युवाओं को 30 हजार रुपये प्रति माह और कोऑर्डिनेटर पद पर भर्ती होने वाले युवाओं को अनुभव के आधार पर प्रति माह वेतन दिया जाएगा। इस बारे में लविवि केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. अनूप भारतीय ने बताया कि इन पदों पर भर्ती के लिए महाविद्यालयों के भी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 26 दिसंबर हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए सामाजिक कार्य या फिर सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री और सीएसआर विकास क्षेत्र में अनुभव होना जरूरी है। (संवाद)

आपत्तियां दर्ज कराने का मौका कल तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में बीए, बीएससी और बीकॉम एनईपी प्रथम वर्ष के प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम पर आपत्तियां दर्ज कराने का मौका 24 दिसंबर तक है। विषयवार परीक्षा कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड है। विद्यार्थी अपनी आपत्तियां परीक्षा नियंत्रक के ईमेल coe@lkouniv.ac.in पर भेज सकते हैं। (संवाद)

'भिक्षावृत्ति एक मानसिक बीमारी, परामर्श जरूरी'

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को बदलाव संस्था की ओर से बदलावोत्सव का आयोजन हुआ। लोक प्रशासन विभाग में हुए इस कार्यक्रम में भिक्षावृत्ति छोड़कर नई जिंदगी शुरू करने वालों रौफीक, निशा, माया, राहुल और आनंद कनौजिया ने अपनी कहानियां सुनाईं। कार्यक्रम का शुभारंभ लोक प्रशासन के विभागाध्यक्ष प्रो. नंदलाल भारती ने किया। केजीएमयू के मनोरोग विभाग के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसाद कन्नेकांती ने कहा कि भिक्षावृत्ति मानसिक बीमारी है। इसे इलाज और परामर्श के जरिये खत्म किया जा सकता है। विवि के समाज कार्य विभाग प्रो. अनूप कुमार भारती, डॉ. सुचिता चतुर्वेदी व संदीप खरे ने कार्यक्रम को संबोधित किया। निदेशक शरद पटेल ने संस्था के पुनर्वास मॉडल पर विस्तार से चर्चा की। जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी सिंह, आईएएस डॉ. हीरालाल, जिला परिवीक्षा अधिकारी सुधाकर शरण पांडेय, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. आरएस जादौन, डीपीओ सुधाकर शरण पांडेय व अन्य लोग मौजूद रहे। (संवाद)

भागदौड़ भरी जिंदगी के लिए नियमित ध्यान जरूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योगा एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से सोमवार को योग सभागार में द्वितीय ध्यान दिवस का आयोजन किया गया। फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने ध्यान के मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता प्रो. अशोक कुमार सोनकर ने नियमित ध्यान को आज की भागदौड़ भरी जिंदगी के लिए आवश्यक बताया। अर्चना वर्मा ने ध्यान को प्राचीन योगिक विधि बताया। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में हिमालय के भूगर्भीय इतिहास पर होगा अध्ययन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। लविवि के भूविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शशि रंजन राय के नेतृत्व में किए जाने वाले हिमालयी शोध के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन से लगभग 90 लाख रुपये का प्रतिष्ठित शोध अनुदान मिला है। डॉ. शशि रंजन राय का यह शोध उत्तर-पश्चिम हिमालय के जियानबुल डोम क्षेत्र पर केंद्रित है। आसान शब्दों में कहें तो इस परियोजना में यह समझने की कोशिश की जाएगी कि हिमालय की पहाड़ियां कैसे बनीं, समय के साथ उनमें क्या बदलाव आए और धरती के भीतर की हलचलों का इन पर क्या असर पड़ा। (माई सिटी रिपोर्टर)

VOICE OF LUCKNOW

नहीं आये घनश्याम घेरी आई बदरी...पर दिखा कथक का अद्भुत रंग

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित कथक संध्या का आयोजन राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का शुभारम्भ उपाध्यक्ष महोदया, डॉ. मिथिलेश तिवारी एवं विशेष सचिव, संस्कृति/निदेशक, संजय कुमार सिंह द्वारा मुख्य अतिथि प्रो. मनुका खन्ना, कुलपति महोदया, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ वविशिष्ट अतिथि डॉ. आरएन मिश्रा, कुलपति महोदय, मेजर एसडीसिंह विश्वविद्यालय, फरूर्खाबाद का पुष्पगुच्छ-अंगवस्त्र द्वारा स्वागत, आभार एवं दीपप्रज्जवलन द्वारा किया गया।

कथक संध्या के अन्तर्गत लखनऊ घराने की सुप्रसिद्ध कलाकार सुश्री स्मृति मिश्रा टन्डन व सुश्री कांतिका मिश्रा के द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दीगयी। आपने अपने पिता एवं लखनऊ घराने के सुप्रसिद्ध गुरू स्व. अर्जुन मिश्रा के सानिध्य में कथक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपके द्वारा पैरिस, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, साउथ अफ्रिका एवं कोलम्बो इत्यादि देशों में सराहनीय प्रस्तुतियां दी गयी हैं। आपको संस्कृति मंत्रालय एवं संगीत नाटक अकादमी द्वारा उत्कृष्ट सम्मान प्राप्त है।

प्रस्तुति के सम्बन्ध में- प्रथम प्रस्तुति के अन्तर्गत आपके समग्र दशा अवतार की प्रस्तुति जिसमें भगवान विष्णु के दस भव्य रूपों को प्रस्तुतकियागया।तत्पश्चात तीन ताल विलंबित मध्यलय में लखनऊ घराने की नजाकत और थाट को प्रदर्शित करते हुए उठान, आमद और धतक धुंगा, परन जुड़ी आमद के साथ-साथ कवित एवं खास बंदिशों को तीनलय में चक्कर प्रदर्शित किया गया। इसी के साथ दादरा के छंद में पैरों के काम प्रदर्शित किया गया। अगले चरण में कजरी प्रस्तुत की गयी। जिसके बोल हैं नहीं आए घनश्याम घेरी आई बदरी... इस प्रस्तुति में राधा के विरह को प्रकट किया गया, जो कृष्ण के आगमन के लिए व्याकुल है। इसी क्रम में सुश्री कांतिका मिश्रा द्वारा अभिनय पक्ष के अन्तर्गत द्रौपदी को प्रकट करते हुए नारीशक्ति के अद्भुत रूप दर्शायागया। अन्तिम प्रस्तुति के रूप में लय गति के अन्तर्गत लखनऊ घराने की खास बंदिशें और तिहाई परन गत को अंतिम द्रुतलय में प्रस्तार किया गया। इस प्रस्तुति में टुकड़ों और परन के साथ-साथ लय गति को भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के समापन में छम्माही अभिरूचि पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

I NEXT

नए सत्र से नगर निगम डिग्री कालेज में पीजी की पढ़ाई

निजी क्षेत्र में खुलेंगे 22 डिग्री कालेज

कई कोर्सों की एनओसी मिलने के बाद कक्षाओं का शुरू हुआ निर्माण कार्य

LUCKNOW (22 DEC): अटल बिहारी वाजेपयी नगर निगम डिग्री कालेज, सुरेंद्र नगर में सत्र 2026-27 से पीजी कोर्सों में एडमिशन शुरू करने की तैयारी है. इसके लिए कालेज को एनओसी मिल चुकी है. क्लासेज के लिए कमरों का निर्माण कराया जा रहा है. इसके पूरा होते ही संबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा.

अभी बीए और बीएससी की पढ़ाई

अभी कालेज में बीए और बीएससी की पढ़ाई होती है. इनमें 685 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं. प्रिंसिपल डा. सुभाष चंद्र पांडेय ने बताया कि एलयू से पीजी स्तर पर एमए पालिटिकल साइंस, एमए एजुकेशन, एमए अंग्रेजी, एमए हिंदी, एमकाम प्योर, बीसीए और बीएजेएमसी की एनओसी मिल चुकी है. इनके लिए पांच नए कमरों का निर्माण चल रहा है, फिर संबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा. हमारी कोशिश है कि नए सत्र से पीजी की एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो जाए. कालेज में 700 लोगों की बैठने की क्षमता वाले सभागार का निर्माण कराया जा रहा है.

बीएससी कृषि का प्रस्ताव तैयार

उन्होंने बताया कि कालेज में बीएससी कृषि की पढ़ाई शुरू करने की योजना बनाई है. इसके लिए 10 एकड़ जमीन की आवश्यकता है. जिसका प्रस्ताव नगर आयुक्त को इसी सप्ताह भेजा जाएगा.

एलयू ने इनके भूमि संबंधी अभिलेख सत्यापन का प्रस्ताव जिलाधिकारी को भेजा

LUCKNOW (22 DEC): एलयू से जुड़े पांच जिलों में नए सत्र में 22 नवीन महाविद्यालय खोले जाएंगे. इस संबंध में सभी ने एनओसी के लिए एलयू में आनलाइन आवेदन किया है, जिसके भूमि संबंधित अभिलेखों के सत्यापन के लिए डीएम को भेजा गया है. वहां से अनुमति मिलते ही 31 जनवरी तक एनओसी जारी की जाएगी. मौजूदा समय में एलयू के अधीन 561 महाविद्यालय संबंद्ध हैं. इनमें 17 राजकीय, 33 एडेड के साथ-साथ 511 निजी कालेज शामिल हैं. अब इनकी संख्या बढ़ाने की तैयारी है. शासन के निर्देश पर एलयू में सत्र 2026-27 के लिए आनापत्ति एवं सहयुक्तता देने की प्रक्रिया चल रही है. इस बार 22 नए महाविद्यालय खोलने के संबंध में एनओसी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है. इनमें लखनऊ में आठ, हरदोई चार, लखीमपुर खीरी दो, सीतापुर दो और रायबरेली में छह कालेज प्रस्तावित हैं.

20 अप्रैल तक मिलेगी संबद्धता

तय समय सारिणी के अनुसार एनओसी मिलने के बाद कालेजों को संबद्धता के संबंध में 28 फरवरी तक निरीक्षण मंडल के गठन के लिए आवेदन करना होगा. 5 मार्च तक गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. पांच अप्रैल तक निरीक्षण मंडल को रिपोर्ट देनी होगी. 20 अप्रैल तक आनलाइन संबद्धता जारी की जाएगी.

NBT

नहीं आए घनश्याम घिरि आई बदरी...

■ NBT न्यूज, लखनऊ

बिरजू महाराज कथक संस्थान द्वारा आयोजित 'कथक संध्या' ने सोमवार को कैसरबाग स्थित राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह को शास्त्रीय नृत्य की सुगंध से सराबोर कर दिया। संध्या में परंपरा, लय और भाव के अद्भुत संगम ने दर्शकों को कथक की सूक्ष्म नजाकत और गरिमा से रूबरू कराया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एलयू की कार्यवाहक कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने किया। संध्या के अंतर्गत लखनऊ घराने की कलाकार एवं लखनऊ घराने के गुरु अर्जुन मिश्रा की पुत्रियों स्मृति मिश्रा टंडन एवं कांतिका मिश्रा ने भाव, लय और तकनीक का अनुपम प्रदर्शन किया। प्रथम प्रस्तुति में दशावतार के माध्यम से भगवान विष्णु के दस भव्य रूपों का सजीव चित्रण हुआ। इसके उपरांत तीन ताल में विलंबित से मध्य लय तक लखनऊ घराने की कोमलता और थाट को दर्शाते हुए उठान, आमद, धतक धुंगा, परन जुड़ी आमद, कवित एवं खास बंदिशों को तीनलय में चक्करों के साथ प्रस्तुत किया गया।

अगले चरण में कजरी 'नहीं आए घनश्याम घिरि आई बदरी' के माध्यम से राधा के विरह और कृष्ण-आगमन की व्याकुल प्रतीक्षा को भावपूर्ण अभिनय से उकेरा गया। इसी क्रम में कांतिका मिश्रा ने द्रौपदी के चरित्र के माध्यम से नारी शक्ति के सशक्त और गरिमामय स्वरूप को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। अंतिम प्रस्तुति में लय-गति के अंतर्गत लखनऊ घराने की विशिष्ट बंदिशें, तिहाई, परन और द्रुतलय की गतों का सशक्त प्रस्तार हुआ, जिसने संध्या को ऊंचाई प्रदान की। उनके साथ पढ़ंत में पं. अनुज मिश्रा एवं नेहा सिंह मिश्रा, तबले पर पं. विकास मिश्रा, गायन में प्रखर पांडे, सरोद पर ध्रुव त्रिपाठी तथा बांसुरी पर दीपेंद्र कुंवर ने संगत देकर प्रस्तुति को समृद्ध किया।

NBT

एलयू में बदलावोत्सव: कभी भिक्षा मांगते थे, आज है उद्यमी

■ NBT, लखनऊ: 'बदलाव' संस्था की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान के तहत 'बदलावोत्सव-2025' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के जरिए उन लोगों की सफलता की कहानियां सामने लाई गईं जो कभी भिक्षावृत्ति में लिप्त थे। संस्था के सहयोग से वो उद्यमी बन चुके हैं। बदलावोत्सव-2025' में लाभार्थियों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।

केजीएमयू के मनोचिकित्सा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रसाद ने कहा कि भिक्षावृत्ति केवल सामाजिक या आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने बताया कि लगभग 30-40 प्रतिशत ऐसे लोग मानसिक अस्थिरता या एंग्जायटी से ग्रसित होते हैं। उनके प्रमाण-पत्र बनवाने के प्रयास होने चाहिए।

स्वाभिमान जगाना है जरूरी: लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर नंदलाल भारती ने जोर दिया कि भिक्षावृत्ति में शामिल व्यक्तियों के भीतर स्वाभिमान जगाना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केवल प्रशासन अकेले कुछ नहीं कर सकता; जमीनी स्तर पर एनजीओ की भूमिका अहम है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने सरकार और एनजीओ के बीच समन्वय को इस समस्या के उन्मूलन की कुंजी बताया। इस दौरान बाल आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. सुचिता चतुर्वेदी, अरविंद शुक्ला, प्रो. अनूप कुमार भारती, डीपीओ सुधाकर शरण पांडेय, संदीप खरे, शरद पटेल, हीरालाल, रविंद्र सिंह जादौन मौजूद रहे।

DAINIK JAGRAN

विशेष बंदिशों की प्रस्तुति रही शानदार

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं स्मृति मिश्रा टंडन और कांतिका मिश्रा ● पंकज ओझा

जासं ● लखनऊ : कथक की समृद्ध परंपरा, सूक्ष्म भावाभिव्यक्ति और लखनऊ घराने की नजाकत से सजी 'कथक संध्या'। मौका था बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का।

मुख्य अतिथि लवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कथक जैसी शास्त्रीय नृत्य विधा के संरक्षण और संवर्धन पर बल दिया। शुभारंभ संस्थान की उपाध्यक्ष डा. मिथिलेश तिवारी एवं विशेष सचिव, संस्कृति विभाग निदेशक संजय कुमार सिंह ने किया। लखनऊ घराने की कलाकार स्मृति मिश्रा टंडन एवं कांतिका मिश्रा ने प्रस्तुतियों से दर्शकों को बांधे रखा। प्रस्तुतियों की शुरुआत दशावतार से हुई। इसके बाद तीन ताल में विलंबित और मध्य लय के तहत लखनऊ घराने की नजाकत व थाट को दर्शाते हुए उठान, आमद, धतक धुंगा, परन जुड़ी आमद, कवित और विशेष बंदिशों की प्रस्तुति भी शानदार रही। तीन लय में चक्करों व दादरा छंद में पैरों के सटीक काम ने दर्शकों की सराहना बटोरी।

निजी क्षेत्र में खुलेंगे 22 नए डिग्री कालेज

जागरण संवाददाता ● लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े पांच जिलों में नए सत्र में 22 नवीन महाविद्यालय खोले जाएंगे। इस संबंध में सभी ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में आनलाइन आवेदन किया है, जिसके भूमि संबंधित अभिलेखों के सत्यापन के लिए जिलाधिकारी को भेजा गया है। वहां से अनुमति मिलते ही 31 जनवरी तक एनओसी जारी की जाएगी।

मौजूदा समय में लवि के अधीन 561 महाविद्यालय संबंद्ध हैं। इनमें 17 राजकीय, 33 एडेड के साथ-साथ 511 निजी कालेज शामिल हैं। अब इनकी संख्या बढ़ाने की तैयारी है। शासन के निर्देश पर लवि में सत्र 2026-27 के लिए आनापत्ति एवं सहयुक्तता देने की प्रक्रिया चल रही है। इस बार 22 नए महाविद्यालय खोलने के संबंध में एनओसी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें लखनऊ में आठ, हरदोई चार, लखीमपुर खीरी दो, सीतापुर दो और रायबरेली में छह कालेज प्रस्तावित हैं.

20 अप्रैल तक मिलेगी संबद्धता : तय समय सारिणी के अनुसार एनओसी मिलने के बाद कालेजों को संबद्धता के संबंध में 28 फरवरी तक निरीक्षण मंडल के गठन के लिए आवेदन करना होगा। पांच मार्च तक गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फिर पांच अप्रैल तक निरीक्षण मंडल को रिपोर्ट देनी होगी। 20 अप्रैल तक आनलाइन संबद्धता जारी की जाएगी।

पीएचडी में चयनितों की प्रस्तावित सूची जारी : भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आइटी) लखनऊ ने सोमवार को पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों की प्रस्तावित सूची जारी की है।

इन अभ्यर्थियों को पंजीकरण और फीस जमा करने की प्रक्रिया 15 से 16 जनवरी तक पूरी करनी होगी। इसके लिए सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक समय रहेगा। इसकी विस्तृत सूचना अभ्यर्थियों के ई-मेल पर भेजी गई है।

AMRIT VICHAR

हिमालय के रहस्यों पर शोध करेगा लविवि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- देशभर से 12,600 प्रस्तावों में चयनित हुआ विश्वविद्यालय
- विश्वविद्यालय को मिला 90 लाख का एएनआरएफ अनुदान

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के शोधार्थी हिमालयी रहस्यों पर शोध करेंगे, जिसके लिए विश्वविद्यालय को 90 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की एडवांस्ड रिसर्च ग्रांट योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को राष्ट्र स्तरीय शोध परियोजना मिली है। यह परियोजना डॉ. शशि रंजन राय, सहायक प्राध्यापक, भूविज्ञान विभाग के नेतृत्व में संचालित की जाएगी। इसके अंतर्गत उत्तर-पश्चिम हिमालय के जियानबुल डोम के टेक्टोनोमेटामॉर्फिक व टेक्टोनोथर्मल विकास का अध्ययन किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय को देशभर से प्राप्त 12,600 प्रस्तावों में से चयनित किया गया है। इस शोध के तहत उत्तर-पश्चिम हिमालय के जियानबुल डोम का टेक्टोनोथर्मल विकास, विवर्तनिकी, द्रव समावेशन, भू-रसायन तथा दाब—ताप—काल पथ का अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए संरचनात्मक भूविज्ञान, खनिज रसायन, द्रव समावेशन अध्ययन, भू-रसायन एवं कार्यांतरित शैलविज्ञान को समेकित रूप से अपनाया जाएगा। अध्ययन का एक प्रमुख परिणाम एक सुदृढ़ दाब—ताप—काल पथ का निर्धारण होगा, जो हिमालयी भू-पर्पटी के तापीय एवं विवर्तनिक इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

TIMES OF INDIA

Grant for LU study on Himalayas

Lucknow University's geology department has received an Advanced Research Grant from the Anusandhan National Research Foundation (ANRF) for a study of the north western Himalayas. The project, funded with nearly Rs 90 lakh and led by assistant professor Shashi Ranjan Rai, focuses on understanding how rocks deep within the Himalayas were heated, squeezed, and pushed to the surface over millions of years. Using methods like studying rock composition, mineral changes, and the history of pressure and temperature, the study aims to trace the journey of these rocks over time. "This project gives us a unique chance to study the Gianbul Dome in detail. The results will improve our understanding of Himalayan formation and global mountain building processes," said Rai. the study will help assess earthquake risks, landslides and other natural hazards. TNN